

ड्राफ्ट ईआईए रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश

प्रस्तावित चूना पत्थर खनन परियोजना  
(लघु खनिज के लिए )

कुल खान क्षेत्र 2.196 हेक्टेयर  
पर

गांव –बधिमा, तहसील– राजपुर,  
जिला–बलरामपुर– रामानुजगंज, राज्य– छत्तीसगढ़

आवेदक  
मेसर्स अभिषेक गोयल  
पिता श्री सुरेश कुमार गोयल  
निवासी–जवाहर मार्केट,  
गांव/शहर– अंबिकापुर, जिला– सरगुजा  
राज्य– छत्तीसगढ़, पिन नंबर– 497001

पर्यावरण सलाहकार

मेसर्स अल्ट्रा टेक  
पर्यावरण प्रयोगशाला और परामर्श

एनएबीईटी मान्यता प्राप्त ईआईए परामर्श संगठन  
NABET प्रत्यायन संख्या– NABET/EIA@2023@RA0194

अप्रैल, 2022

## विषयसूची

कार्यकारी सारांश.....	3
1.0 परिचय.....	3
2.0 परियोजना विवरण.....	7
3.0 पर्यावरण का विवरण.....	11
4.0 प्रत्याशित पर्यावरण प्रभाव और पर्यावरण प्रबंधन योजना.....	17
5.0 विकल्पों का विश्लेषण.....	21
6.0 पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम.....	21
7.0 जोखिम आकलन .....	22
8.0 आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना.....	22
9.0 पूंजी निवेश और परियोजना अनुसूची.....	22
10.0 परियोजना लाभ.....	22
11.0 आवश्यकता आधारित गतिविधि.....	23
12.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी).....	23
13.0 निष्कर्ष.....	23

## तालिकाओं की सूची

तालिका E-1: परियोजना स्थल के आसपास पर्यावरण सेटिंग.....	4
तालिका E-2: प्रस्तावित परियोजना की मुख्य विशेषताएं.....	7
तालिका E-3: जल आवश्यकता विवरण.....	11
तालिका E-4: साइट पर उत्पन्न मौसम संबंधी आंकड़ों का सारांश.....	12

## आंकड़े की सूची

चित्र E-1: परियोजना स्थल का स्थान मानचित्र.....	4
चित्र E-2: प्रस्तावित खनन स्थल का क्षेत्रफल.....	7
चित्र E-3: एल्यूमिनीय वर्गीकरण (प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र का 10 किमी का दायरा).....	15
चित्र E-4: अध्ययन क्षेत्र अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का जनसंख्या सघनता मानचित्र जनसंख्या .....	17

## कार्यकारी सारांश

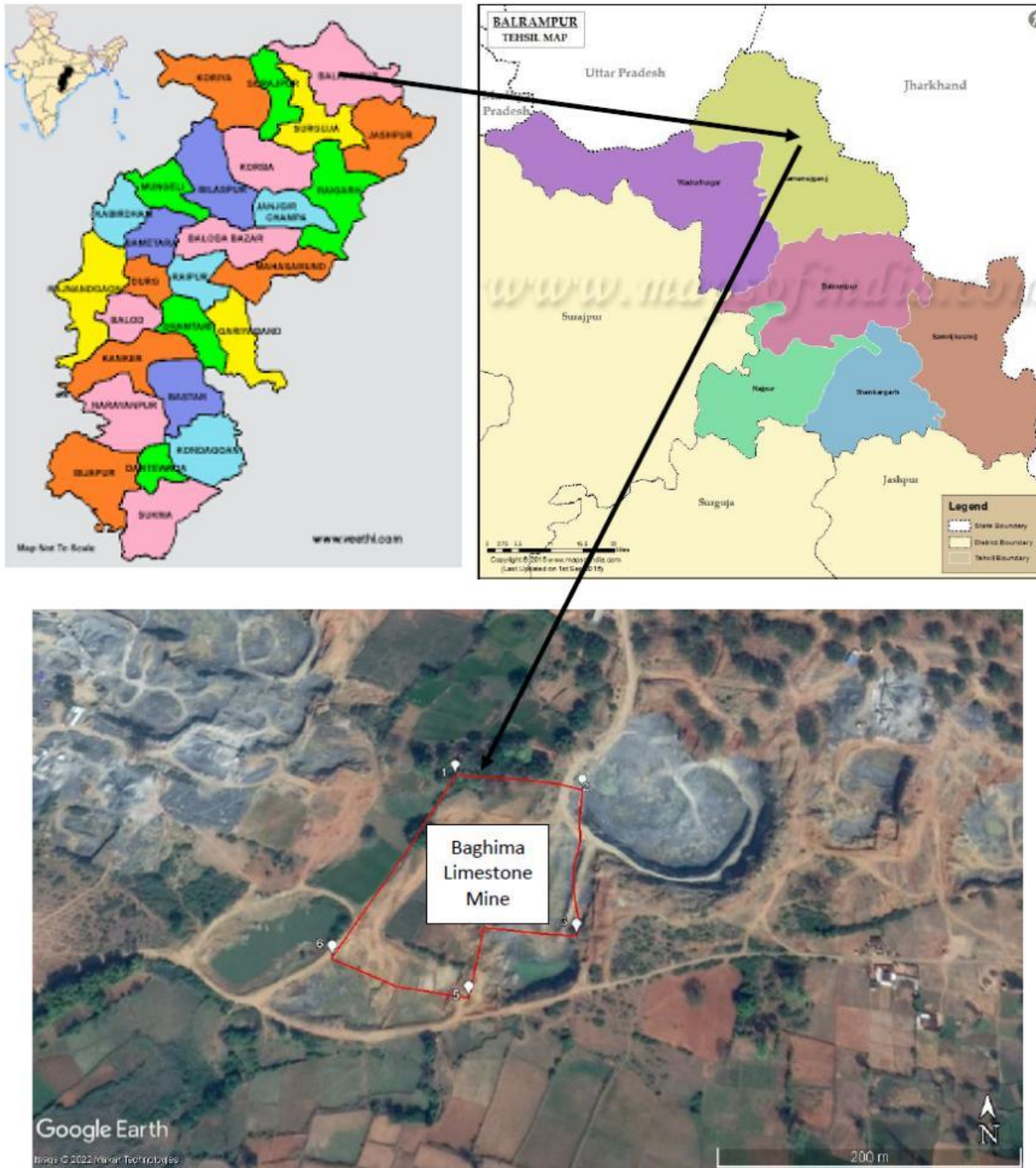
### 1.0 परिचय

ग्राम-बघीमा, तहसील-राजपुर, जिला, बलरामपुर-रामानुजगंज, राज्य-छ.ग. के निकट स्थित 2.196 हेक्टेयर क्षेत्र की प्रस्तावित चूना पत्थर खनन खनिज परियोजना। कार्यालय कलेक्टर, खनन शाखा बलरामपुर छत्तीसगढ़ द्वारा छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के अन्तर्गत अभिषेक गोयल के पक्ष में परियोजना निर्गत की जाती है।

यह खनन परियोजना ईआईए अधिसूचना 2006 के अनुसार श्रेणी बी1 (क्लस्टर स्थिति) परियोजना या गतिविधि 1 (ए) के अंतर्गत आती है, और इसके बाद के संशोधनों का मूल्यांकन एसईएसी, छत्तीसगढ़ में किया जाएगा। 15 जनवरी 2016 को एमओईएफएंडसीसी की ईआईए अधिसूचना और 13 सितंबर 2018 के एनजीटी आदेश के अनुसार क्लस्टर में पट्टा गिर रहा है।

### परियोजना स्थल

खसरा नं. 849/12, 54, 43, 33, 39, 34, 35, 48, 41, 32 जिला बलरामपुर – रामानुजगंज तहसील राजपुर ग्राम बाघिमा। पट्टेदार अभिषेक गोयल की बाघिमा चूना पत्थर खदान को सर्वे ऑफ इंडिया टोपोशीट नंबर 64 एम/7 में दिखाया गया है।



**चित्र E-1 परियोजना स्थल का स्थान मानचित्र**

पर्यावरण सेटिंग का विवरण नीचे दिया गया है।

**तालिका E.1 परियोजना स्थल के आसपास पर्यावरण सेटिंग**

विशेष	विवरण
परियोजना का नाम	बघिमा चूना पत्थर खनन परियोजना क्षेत्र: 2.196 हेक्टेयर। (निजी भूमि)

विशेष	विवरण																					
परियोजना का स्थान	गांव के पास- बघिमा, तहसील- राजपुर, जिला- बलरामपुर - रामानुजगंज राज्य- छत्तीसगढ़																					
भौगोलिक निर्देशांक	<table border="1"> <thead> <tr> <th>स्तंभ</th> <th>अक्षांश</th> <th>देशांत</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>BL1</td> <td>23°15'52.71" N</td> <td>83°20'7.72"E</td> </tr> <tr> <td>BL2</td> <td>23°15'52.36" N</td> <td>83°20'11.37"E</td> </tr> <tr> <td>BL3</td> <td>23°15'48.24" N</td> <td>83°20'11.09"E</td> </tr> <tr> <td>BL4</td> <td>23°15'48.47" N</td> <td>83°20'8.63"E</td> </tr> <tr> <td>BL5</td> <td>23°15'46.66" N</td> <td>83°20'8.28"E</td> </tr> <tr> <td>BL6</td> <td>23°15'47.68" N</td> <td>83°20'4.68"E</td> </tr> </tbody> </table>	स्तंभ	अक्षांश	देशांत	BL1	23°15'52.71" N	83°20'7.72"E	BL2	23°15'52.36" N	83°20'11.37"E	BL3	23°15'48.24" N	83°20'11.09"E	BL4	23°15'48.47" N	83°20'8.63"E	BL5	23°15'46.66" N	83°20'8.28"E	BL6	23°15'47.68" N	83°20'4.68"E
स्तंभ	अक्षांश	देशांत																				
BL1	23°15'52.71" N	83°20'7.72"E																				
BL2	23°15'52.36" N	83°20'11.37"E																				
BL3	23°15'48.24" N	83°20'11.09"E																				
BL4	23°15'48.47" N	83°20'8.63"E																				
BL5	23°15'46.66" N	83°20'8.28"E																				
BL6	23°15'47.68" N	83°20'4.68"E																				
अधिकतम तापमान	46° C																					
न्यूनतम तापमान	10° C																					
वार्षिक वर्षा	1287.4 mm																					
परियोजना का आकार	2.196 हे.																					
निकटतम राजमार्ग	राष्ट्रीय राज्यमार्ग 343 पश्चिम की ओर 1.00 किमी (अंबिकापुर-राजपुर रोड) राज्य राजमार्ग 12 उत्तर-पूर्व की ओर 11.10 किमी पर (राजपुर-प्रतापपुर रोड) (खनन योजना के अनुसार)																					
निकटतम रेलवे स्टेशन	अंबिकापुर रेलवे स्टेशन - 24.11 किमी दक्षिण-पश्चिम																					
निकटतम हवाई अड्डा	बिलासपुर सिटी एयरपोर्ट - 188 किमी दक्षिण-पश्चिम																					
निकटतम शहर / शहर	अंबिकापुर - 21.23 किमी दक्षिण-पश्चिम																					
निकटतम जल निकाय	उत्तर पूर्व की ओर 1.60 किमी पर गागर नदी																					
10 किमी के दायरे में प्रमुख जल निकाय	उत्तर पूर्व की ओर 1.60 किमी पर गागर नदी																					
घनी आबादी वाला या निर्मित क्षेत्र	अंबिकापुर - 21.23 किमी दक्षिण-पश्चिम जिला मुख्यालय, बलरामपुर - रामानुजगंज - 64.85 किमी उत्तर-पूर्व																					
पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान	10 किमी के दायरे में कोई नहीं																					
वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अनुसार संरक्षित क्षेत्र (टाइगर रिजर्व, हाथी रिजर्व, बायोस्फीयर, राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव	10 किमी के दायरे में कोई नहीं																					

विशेष	विवरण
अभयारण्य, सामुदायिक रिजर्व और संरक्षण रिजर्व)	
आरक्षित/संरक्षित वन	1. जॉर्ज आरएफ 5.1 किमी, उत्तर-पूर्व 2. बांसबोरा आरएफ 0.18 किमी, पूर्व 3. पंडोली कटारा आरएफ 6.1 किमी दक्षिण पूर्व 4. रतगड़ा आरएफ 8.64 किमी, दक्षिण और दक्षिण-पूर्व 5. खैरबार आरएफ 15 किमी, दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम 6. कल्याणपुर पीएफ 13.1 किमी, दक्षिण-पश्चिम 7. अंकोर पीएफ 9.08 किमी, पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम 8. कदुरा पीएफ 10.80 किमी, पश्चिम और उत्तर 9. नरसिंगपुर आरएफ 3.72 किमी, उत्तर-पश्चिम
रक्षा प्रतिष्ठान	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
सिस्मीसिटी	चूंकि परियोजना स्थल भूकंपीय क्षेत्र II के अंतर्गत आता है, जो आईएस: 1893 (भाग 1 2002) के अनुसार भूकंप के लिए सबसे कम सक्रिय क्षेत्र है।
वन्यजीव अभयारण्य	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
राष्ट्रीय उद्यान	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
बायोस्फीयर रिजर्व	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
पक्षियों के महत्वपूर्ण प्रवास मार्ग	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
रामसर स्थल (अंतर्राष्ट्रीय महत्व के आर्द्रभूमि)	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
अद्वितीय या संकटग्रस्त पारिस्थितिकी तंत्र	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
महत्वपूर्ण स्थलाकृतिक विशेषताएं, जिनमें लकीरें, नदी घाटियाँ, तटरेखाएँ और तटवर्ती क्षेत्र शामिल हैं	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
मैंग्रोव्स	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
शारीरिक संवेदनशील रिसेप्टस	10 किमी के दायरे में कोई नहीं

विशेष	विवरण
सीजीडब्ल्यूए द्वारा अधिसूचित भूजल क्षेत्र	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
गंभीर रूप से पर्यावरण प्रदूषित क्षेत्र	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
प्रदूषण के स्रोत	10 किमी के दायरे में कोई नहीं

## 2.0 परियोजना विवरण

2.196 हेक्टेयर क्षेत्र में बघिमा चूना पत्थर खदान की प्रस्तावित परियोजना ग्राम-बघिमा, तहसील-राजपुर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज, राज्य छत्तीसगढ़ में स्थित है। प्रस्तावित खदान ब्लॉक का जीवन काल 64837 एमटीपीए (रोम) के अनुमानित उत्पादन के साथ 10 वर्ष है। खनन की प्रस्तावित विधि ओपन कास्ट सेमी मैकेनाइज्ड माइनिंग है



चित्र E-2 प्रस्तावित खनन स्थल का क्षेत्रफल

तालिका E- 2 प्रस्तावित परियोजना की मुख्य विशेषताएं

विशेष	विवरण
परियोजना का नाम	बघिमा चूना पत्थर खनन परियोजना क्षेत्र: 2.196 हेक्टेयर। (निजी भूमि)

विशेष	विवरण																					
परियोजना का स्थान	गांव के पास- बघिमा, तहसील- राजपुर, जिला- बलरामपुर - रामानुजगंज राज्य- छत्तीसगढ़																					
भौगोलिक निर्देशांक	<table border="1"> <thead> <tr> <th>स्तंभ</th> <th>अक्षांश</th> <th>देशांत</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>BL1</td> <td>23°15'52.71" N</td> <td>83°20'7.72"E</td> </tr> <tr> <td>BL2</td> <td>23°15'52.36" N</td> <td>83°20'11.37"E</td> </tr> <tr> <td>BL3</td> <td>23°15'48.24" N</td> <td>83°20'11.09"E</td> </tr> <tr> <td>BL4</td> <td>23°15'48.47" N</td> <td>83°20'8.63"E</td> </tr> <tr> <td>BL5</td> <td>23°15'46.66" N</td> <td>83°20'8.28"E</td> </tr> <tr> <td>BL6</td> <td>23°15'47.68" N</td> <td>83°20'4.68"E</td> </tr> </tbody> </table>	स्तंभ	अक्षांश	देशांत	BL1	23°15'52.71" N	83°20'7.72"E	BL2	23°15'52.36" N	83°20'11.37"E	BL3	23°15'48.24" N	83°20'11.09"E	BL4	23°15'48.47" N	83°20'8.63"E	BL5	23°15'46.66" N	83°20'8.28"E	BL6	23°15'47.68" N	83°20'4.68"E
स्तंभ	अक्षांश	देशांत																				
BL1	23°15'52.71" N	83°20'7.72"E																				
BL2	23°15'52.36" N	83°20'11.37"E																				
BL3	23°15'48.24" N	83°20'11.09"E																				
BL4	23°15'48.47" N	83°20'8.63"E																				
BL5	23°15'46.66" N	83°20'8.28"E																				
BL6	23°15'47.68" N	83°20'4.68"E																				
अधिकतम तापमान	46° C																					
न्यूनतम तापमान	10° C																					
वार्षिक वर्षा	1287.4 mm																					
परियोजना का आकार	2.196 हे.																					
निकटतम राजमार्ग	राष्ट्रीय राज्यमार्ग 343 पश्चिम की ओर 1.00 किमी (अंबिकापुर-राजपुर रोड) राज्य राजमार्ग 12 उत्तर-पूर्व की ओर 11.10 किमी पर (राजपुर-प्रतापपुर रोड) (खनन योजना के अनुसार)																					
निकटतम रेलवे स्टेशन	अंबिकापुर रेलवे स्टेशन - 24.11 किमी दक्षिण-पश्चिम																					
निकटतम हवाई अड्डा	बिलासपुर सिटी एयरपोर्ट - 188 किमी दक्षिण-पश्चिम																					
निकटतम शहर / शहर	अंबिकापुर - 21.23 किमी दक्षिण-पश्चिम																					
निकटतम जल निकाय	उत्तर पूर्व की ओर 1.60 किमी पर गागर नदी																					
10 किमी के दायरे में प्रमुख जल निकाय	उत्तर पूर्व की ओर 1.60 किमी पर गागर नदी																					
घनी आबादी वाला या निर्मित क्षेत्र	अंबिकापुर - 21.23 किमी दक्षिण-पश्चिम जिला मुख्यालय, बलरामपुर - रामानुजगंज - 64.85 किमी उत्तर-पूर्व																					
पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान	10 किमी के दायरे में कोई नहीं																					
वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अनुसार संरक्षित क्षेत्र (टाइगर रिजर्व, हाथी रिजर्व, बायोस्फीयर, राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव	10 किमी के दायरे में कोई नहीं																					



विशेष	विवरण
अभयारण्य, सामुदायिक रिजर्व और संरक्षण रिजर्व)	
आरक्षित/संरक्षित वन	1. जॉर्ज आरएफ 5.1 किमी, उत्तर-पूर्व 2. बांसबोरा आरएफ 0.18 किमी, पूर्व 3. पंडोली कटारा आरएफ 6.1 किमी दक्षिण पूर्व 4. रतगड़ा आरएफ 8.64 किमी, दक्षिण और दक्षिण-पूर्व 5. खैरबार आरएफ 15 किमी, दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम 6. कल्याणपुर पीएफ 13.1 किमी, दक्षिण-पश्चिम 7. अंकोर पीएफ 9.08 किमी, पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम 8. कदुरा पीएफ 10.80 किमी, पश्चिम और उत्तर 9. नरसिंगपुर आरएफ 3.72 किमी, उत्तर-पश्चिम
रक्षा प्रतिष्ठान	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
सिस्मीसिटी	चूंकि परियोजना स्थल भूकंपीय क्षेत्र II के अंतर्गत आता है, जो आईएस: 1893 (भाग 1 2002) के अनुसार भूकंप के लिए सबसे कम सक्रिय क्षेत्र है।
वन्यजीव अभयारण्य	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
राष्ट्रीय उद्यान	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
बायोस्फीयर रिजर्व	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
पक्षियों के महत्वपूर्ण प्रवास मार्ग	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
रामसर स्थल (अंतर्राष्ट्रीय महत्व के आर्द्रभूमि)	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
अद्वितीय या संकटग्रस्त पारिस्थितिकी तंत्र	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
महत्वपूर्ण स्थलाकृतिक विशेषताएं, जिनमें लकीरें, नदी घाटियाँ, तटरेखाएँ और तटवर्ती क्षेत्र शामिल हैं	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
मैंग्रोव्स	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
शारीरिक संवेदनशील रिसेप्टस	10 किमी के दायरे में कोई नहीं

विशेष	विवरण
सीजीडब्ल्यूए द्वारा अधिसूचित भूजल क्षेत्र	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
गंभीर रूप से पर्यावरण प्रदूषित क्षेत्र	10 किमी के दायरे में कोई नहीं
प्रदूषण के स्रोत	10 किमी के दायरे में कोई नहीं

### खनन पद्धति

काम करने का तरीका कम क्षमता वाले ब्लास्ट के साथ खनन की ओपन कास्ट सेमी मैकेनाइज्ड विधि होगी। पत्थर की खोज के लिए छोटे पैमाने पर ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग की जाएगी। रॉक ब्रेकर, जैक हैमर पर्याप्त मात्रा में पत्थर देगा। इसके अलावा पत्थर को आकार दिया जाएगा और आवश्यक विनिर्देश के अनुसार तैयार किया जाएगा और खदान की सतह पर रखा जाएगा। महिनो की सहायता से साईज स्टोन की लोडिंग की जाएगी।

बेंच के साथ रैंप का ग्रेडिएंट 1:15 यानी प्रत्येक 1 मीटर गहराई के लिए 15 मीटर लॉग रैंप तक बनाए रखा जाएगा। रैंप की चौड़ाई 3-4 मीटर होगी। खनन कार्य के दौरान खदान के भीतर परिवहन को आसान बनाने के लिए उन्नत बेंचों को पर्याप्त चौड़ा रखा जाएगा।

### शक्ति की आवश्यकता

केवल पानी की पम्पिंग, अस्थायी प्रशासनिक भवन और विश्राम गृहों के लिए खनन के लिए बिजली की आवश्यकता नहीं है। कुल बिजली की आवश्यकता लगभग 5 एचपी होगी। राज्य बिजली बोर्ड बिजली की आपूर्ति करेगा। पट्टा क्षेत्र में बिजली उपलब्ध है।

### पानी की आवश्यकता

घरेलू, हरित पट्टी और छिड़काव के उद्देश्य के लिए कुल पानी की आवश्यकता 4.85 केएलडी होगी, जिसे पास के गाँव के पानी के टैंकरों से प्राप्त किया जाएगा। पानी की आवश्यकता का विवरण नीचे दिया गया है:

- धूल दमन -2.00 केएलडी
- हरी पट्टी-2.35 केएलडी
- घरेलू-0.50 केएलडी

तालिका E.3: जल आवश्यकता विवरण

क्रमांक	उपयोग	पानी की आवश्यकता	
1.	ग्रीनबेल्ट विकास @2.5 लीटर/पेड़	933 पेड़ X 2.5 लीटर/दिन = 2332.5 लीटर/दिन	2.35 केएलडी
2.	धूल दमन @ 0.5 लीटर/वर्गमीटर (दिन में दो बार)	हॉल रोड क्षेत्र = (500 मीटर लंबाई X 4 मीटर चौड़ाई = 2000 वर्गमीटर।) X 0.5 ली/वर्गमीटर = 1000 लीटर/दिन X 2 समय = 2000 लीटर/दिन	2.0 केएलडी
3.	घरेलू उद्देश्य @25 लीटर/कर्मचारी	19 श्रमिक X 25 लीटर प्रति दिन = 475 लीटर/दिन	0.5 केएलडी
<b>Total ::</b>			<b>4.85 केएलडी</b>

### श्रम शक्ति

खनन परियोजना से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। प्रति दिन लगभग 19 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, और कुछ व्यक्ति अप्रत्यक्ष रूप से भी प्रभावित होंगे और संबद्ध और संबंधित उद्योगों, जैसे परिवहन, रखरखाव, आदि के साथ नियोजित होंगे। निम्नलिखित कर्मचारियों और श्रमिकों को नियोजित करने का प्रस्ताव है: -

क्रमांक	श्रेणी	व्यक्तियों की संख्या
1	मार्इन मेट	1
2	सुपरवाइसर	1
3	कुशल श्रमिक	9
4	मशीन प्रचालक	8
<b>कुल</b>		<b>19</b>

### 3.0 पर्यावरण का विवरण

प्रस्तावित खनन स्थल के आसपास के क्षेत्र का सर्वेक्षण भौतिक विशेषताओं और मौजूदा पर्यावरणीय परिदृश्य के लिए किया गया है। फील्ड सर्वे और बेसलाइन मॉनिटरिंग अक्टूबर 2021 से दिसंबर 2021 (पोस्ट मानसून सीजन) की अवधि के दौरान की गई है।

#### 3.1 अंतरिक्ष-विज्ञान

अध्ययन अवधि के द्वितीयक मौसम संबंधी आंकड़े [www.imdpune.gov.in/](http://www.imdpune.gov.in/) माहवार मौसम संबंधी आंकड़े तालिका E-4 में दिए गए हैं।

तालिका E-4: साइट पर उत्पन्न मौसम संबंधी आंकड़ों का सारांश

अवधि	हवा की गति (किमी / घंटा)		तापमान (डिग्री सेल्सियस)		सापेक्षिक आर्द्रता (%)		वर्षा (मिमी)
	अधिकत म	न्यूनतम	अधिकत म	न्यूनत म	अधिकत म	न्यूनतम	
अक्टूबर 2021	5.18	0.10	29.61	12.9	100	56.44	70.86
नवंबर 2021	3.98	0.13	26.21	10.55	100	47.06	9.46
दिसंबर 2021	5.01	0.03	24.14	3.44	100	25.69	20.76

### वायु पर्यावरण

मानसून के बाद के मौसम— (अक्टूबर 2021 – दिसंबर 2021) के अवलोकन नीचे संक्षेप में दिए गए हैं

#### कणिका तत्व ((PM<sub>10</sub>):

AAQM-1 में PM<sub>10</sub> की अधिकतम सांद्रता 99 µg/m<sup>3</sup> देखी गई और AAQM-2 में 49 µg/m<sup>3</sup> का न्यूनतम मान देखा गया ।

#### रेस्पिरेबल पार्टिकुलेट मैटर (PM<sub>2.5</sub>):

AAQM-1 पर PM<sub>2.5</sub> की अधिकतम सांद्रता 55 µg/m<sup>3</sup> दर्ज की गई और AAQM-2 और 7 में 19 µg/m<sup>3</sup> का न्यूनतम मान देखा गया ।

#### सल्फर डाइऑक्साइड (SO<sub>2</sub>):

SO<sub>2</sub> की अधिकतम सांद्रता AAQM-1 पर 30 µg/m<sup>3</sup> और AAQM-2 में 5 µg/m<sup>3</sup> का न्यूनतम मान देखा गया है ।

#### नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NO<sub>x</sub>):

NO<sub>x</sub> की अधिकतम सांद्रता AAQM-1 पर 38 µg/m<sup>3</sup> और AAQM-2, AAQM-7 और AAQM-8 में 10 µg/m<sup>3</sup> का न्यूनतम मान देखा गया है ।

#### कार्बन मोनोआक्साइड (CO):

इस क्षेत्र में अधिकतम सांद्रता AAQM-1 पर 1.6 mg/m<sup>3</sup> और AAQM-5 और 6 में 0.5 mg/m<sup>3</sup> का न्यूनतम मान देखा गया है ।

## सिलिका

परियोजना स्थल के 10 किमी अध्ययन क्षेत्र की परिवेशी वायु में सिलिका का विश्लेषण तालिका 3.3 में उल्लिखित परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों के चूड10 फिल्टर पेपर से किया गया है (NIOSH विधियों के अनुसार 7601, अंक 3)। परिणाम इंगित करते हैं कि परियोजना स्थल के आसपास सिलिका सांद्रता  $0.02\mu\text{g}/\text{m}^3$  से  $0.06\mu\text{g}/\text{m}^3$  की सीमा में पाई गई थी।

परिणामों की तुलना केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा निर्धारित मानकों से की जाती है। प्रस्तावित खान पट्टे के आसपास की समग्र परिवेशी वायु गुणवत्ता सीपीसीबी द्वारा निर्धारित परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों की सीमा के भीतर है।

### 3.3 शोर पर्यावरण

अध्ययन क्षेत्र के भीतर परियोजना सहित नौ स्थानों पर ध्वनि स्तरों की निगरानी की गई। ध्वनि का स्तर दिन के समय 49.9 से 51.9dB (A) के बीच था और रात के समय ध्वनि का स्तर 41.9 से 45.9 dB (A) के बीच था। सभी निगरानी में ध्वनि स्तर सीपीसीबी द्वारा निर्धारित निर्धारित मानकों के भीतर पाए गए।

### 3.4 जल पर्यावरण

#### भूजल गुणवत्ता

- विश्लेषण के परिणाम दर्शाते हैं कि पीएच 7.1 से 7.6 के बीच है, जो कि 6.5 से 8.5 के निर्दिष्ट मानक के भीतर है। 7.1 का न्यूनतम पीएच GW2 पर देखा गया थाय 7.6 का अधिकतम पीएच GW6 पर देखा गया।
- कुल कठोरता 132 से 229 मिग्रा/ली के बीच देखी गई। न्यूनतम कठोरता (132 मि.ग्रा./ली.) GW5 दर्ज की गई और अधिकतम (229 मि.ग्रा./ली.) GW4 पर दर्ज की गई।
- क्लोराइड 68 से 82 मिलीग्राम/ली की सीमा में पाए गए, क्लोराइड की न्यूनतम सांद्रता (68 मिलीग्राम/ली) GW3 पर देखी गई, जबकि 84 मिलीग्राम/ली का अधिकतम मूल्य GW4 पर देखा गया।
- सल्फेट 21 से 29 मिग्रा/ली के बीच पाए गए। न्यूनतम मान GW1 और GW5 (21 मिलीग्राम/ली.) पर देखा गया जबकि अधिकतम मान GW7 (29 मिलीग्राम/ली.) पर देखा गया।

- कुल घुलित ठोस (टीडीएस) सांद्रता 449 से 578 मिलीग्राम/ली के बीच पाई गई, न्यूनतम टीडीएस GW 7 (449 मिलीग्राम/ली) और टीडीएस की अधिकतम सांद्रता जीडब्ल्यू4 (578 मिलीग्राम/ली) पर देखी गई।
- जिंक और आयरन का पता लगाने योग्य सीमा से नीचे पाया गया

### सतही जल गुणवत्ता

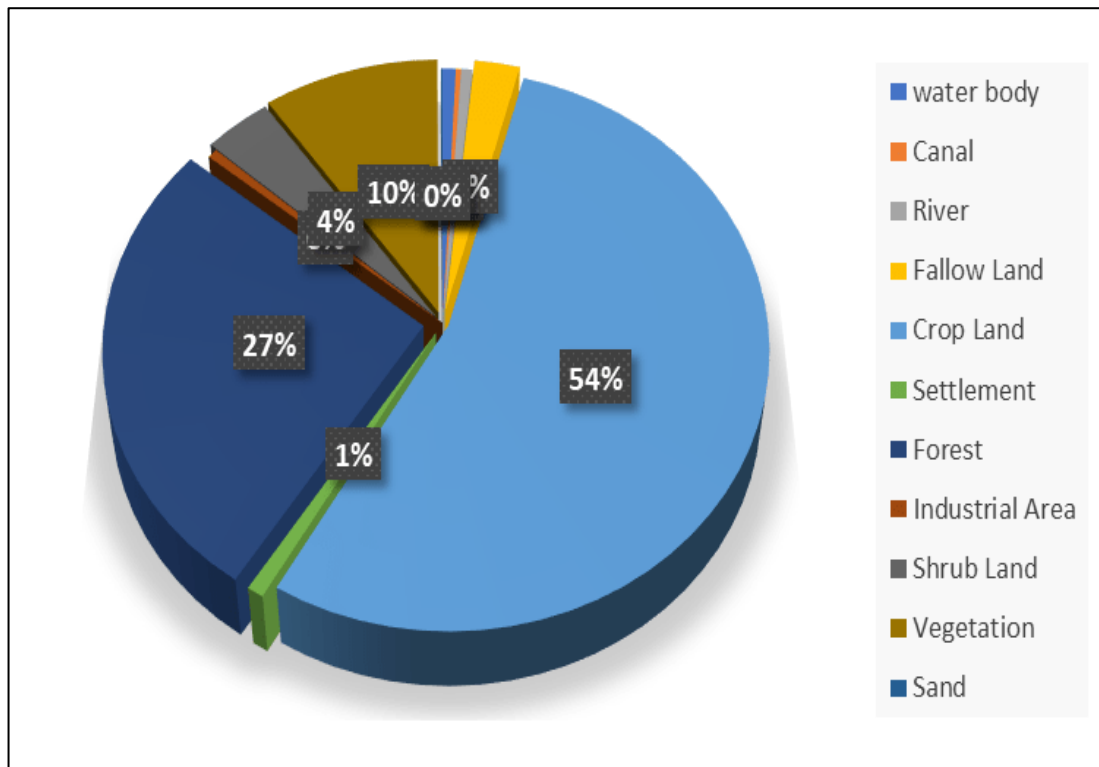
- विश्लेषण के परिणाम दर्शाते हैं कि पीएच मान 7.4 से 8.3 के बीच है, न्यूनतम मान SW1 और SW 2 पर और अधिकतम मान SW5 पर देखा गया था।
- डीओ 3 से 5 मिग्रा/ली के बीच पाया गया। न्यूनतम डीओ मान SW3 में और अधिकतम डीओ SW2 में देखा गया।
- टीडीएस 222 से 298 मिलीग्राम/ली की सीमा में देखा गया था, न्यूनतम टीडीएस मान SW5 पर देखा गया था, और जहां अधिकतम मान SW1 में देखा गया था।
- क्लोराइड और सल्फेट क्रमशः 32 से 55 मिलीग्राम/लीटर और 31 से 43 मिलीग्राम/लीटर के बीच पाए गए।
- CaCO<sub>3</sub> के रूप में व्यक्त कुल कठोरता 156 से 215 मिलीग्राम/ली. के बीच होती है।
- कैल्शियम और मैग्नीशियम क्रमशः 31 से 44 मिलीग्राम/लीटर और 19 से 25 मिलीग्राम/लीटर के बीच पाए गए। जिंक पता लगाने योग्य सीमा से नीचे पाया जाता है।

### 3.5 मिट्टी की गुणवत्ता

- यह देखा गया है कि अध्ययन क्षेत्र की मिट्टी का पीएच 7.3 से 7.8 के बीच है। S1 और S4 में 7.8 का अधिकतम pH मान देखा गया, जबकि S7 पर 7.3 का न्यूनतम मान देखा गया।
  - विद्युत चालकता 0.254 से 0.429 ms/cm के बीच देखी गई, जिसमें अधिकतम S1 और न्यूनतम S2 में देखा गया।
  - उपलब्ध नाइट्रोजन मूल्य 231 से 251 किग्रा/हेक्टेयर के बीच है।
  - उपलब्ध फॉस्फोरस का मान 54 से 77 किग्रा/हेक्टेयर के बीच होता है।
  - उपलब्ध पोटेशियम मूल्य 481 से 499 किग्रा/हेक्टेयर के बीच भिन्न होता है।

### 3.6 अध्ययन क्षेत्र का भूमि उपयोग/भूमि आवरण

परियोजना का स्थान बघिमा के पास स्थित है, जो भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में राजपुर तहसील का एक गाँव है। इस गांव के लोग बहुत ही शांत तरीके से रहते हैं और कृषि ही उनकी आय का मुख्य स्रोत है। हालाँकि, इस समुदाय में औद्योगिक विकास की क्षमता है। निकटतम शहर राजपुर परियोजना स्थल से 10.50 किलोमीटर दूर है। बघिमा गांव का आवासीय और शैक्षणिक क्षेत्र दक्षिण-पश्चिम में 400 मीटर और 1.10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है



चित्र ई-3: एल्यूएलसी वर्गीकरण (प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र का 10 किमी का दायरा)

### 3.7 पारिस्थितिकी और जैव विविधता

आधारभूत जानकारी उत्पन्न करने के लिए वनस्पतियों और जीवों की मौजूदा स्थिति को समझने के लिए परियोजना स्थल के 10 किमी के दायरे में क्षेत्र का पारिस्थितिक अध्ययन किया गया है। परियोजना स्थल से 10 किमी के भीतर निम्नलिखित आरएफ और पीएफ देखे जा रहे हैं।

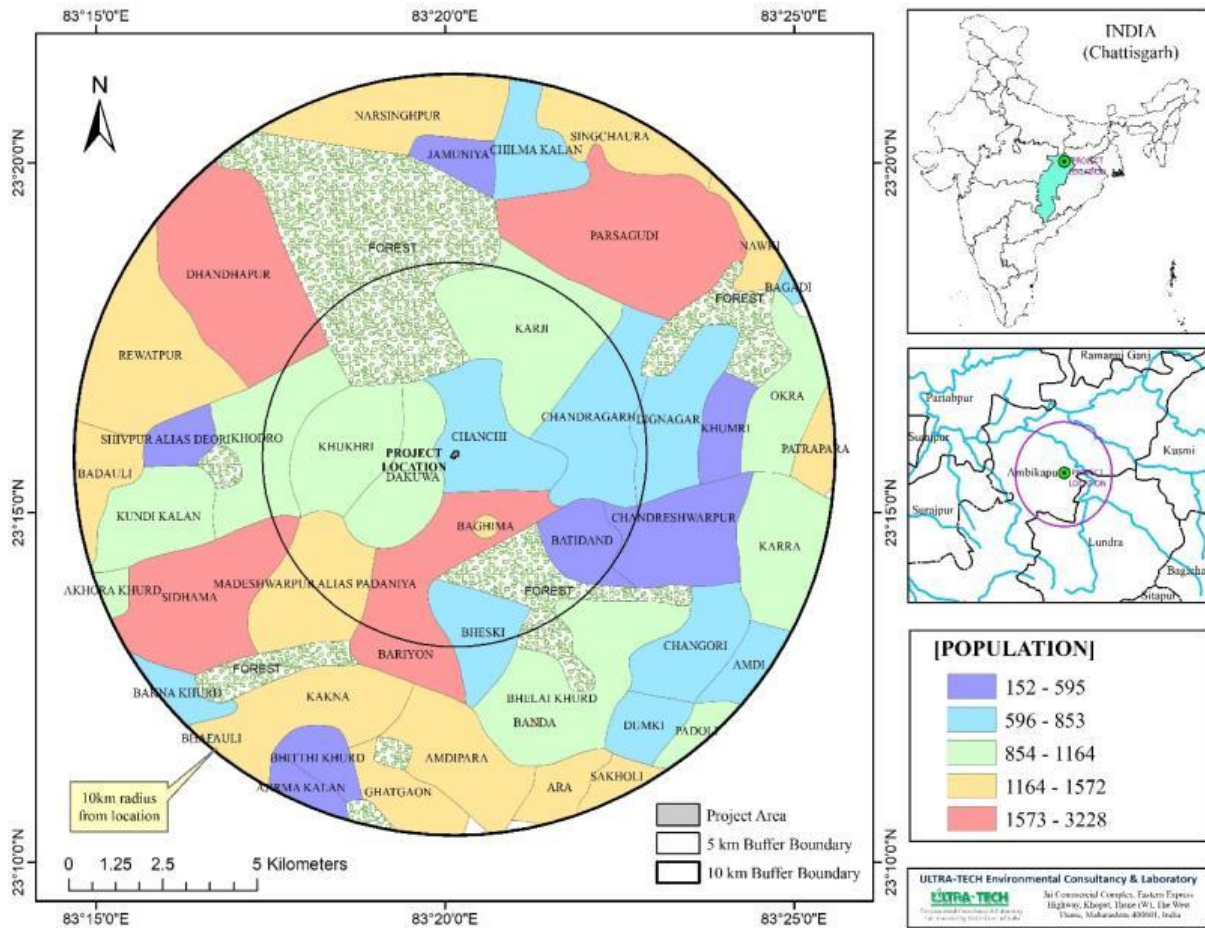
क्रमांक	नाम	दूरी(किमी)	दिशा
1.	जियोर रिजर्व फॉरेस्ट	5.1	उत्तर-पूर्व
2.	बांसबोरा रिजर्व फॉरेस्ट	0.18	पूर्व
3.	पंडोली कटारा रिजर्व फॉरेस्ट	6.1	दक्षिण-पूर्व
4.	रतगड़ा रिजर्व फॉरेस्ट	8.64	दक्षिण दक्षिण –पूर्व
5.	खैरबार रिजर्व फॉरेस्ट	15	दक्षिण दक्षिण-पश्चिम
6.	कल्याणपुर संरक्षित वन	13.1	दक्षिण-पश्चिम
7.	अंकोर संरक्षित वन	9.08	पश्चिम दक्षिण- पश्चिम
8.	कदूरा संरक्षित वन	10.80	पश्चिम उत्तर- पश्चिम
9.	नरसिंगपुर रिजर्व फॉरेस्ट	3.72	उत्तर-पश्चिम

### 3.8 सामाजिक अर्थशास्त्र

यद्यपि अध्ययन क्षेत्र (परियोजना स्थान से 10 किमी त्रिज्या) को द्वितीयक आंकड़ों (जनसंख्या जनगणना 2001) के आधार पर विभाजित किया गया है, अध्ययन क्षेत्र की कुल जनसंख्या 53636 है। 293.8 वर्ग किलोमीटर के सतह क्षेत्र पर 10472 घर हैं।

अध्ययन क्षेत्र में, कुल पुरुष जनसंख्या 27094 है, जो 26542 की पुरुष जनसंख्या से कुछ अधिक है। चित्र ई-3 परियोजना स्थान से 10 किलोमीटर के दायरे द्वारा परिभाषित अध्ययन क्षेत्र में ग्राम-वार जनसंख्या संकेंद्रण को दर्शाता है। अध्ययन क्षेत्र के 10 किमी के दायरे में लोगों की सघनता के आधार पर अनुसंधान क्षेत्र का एक नक्शा विकसित किया गया है – दक्षिणी क्षेत्रों में बरियान के गांव में निवासियों की सबसे बड़ी संख्या। बघिमा की जनसंख्या, जहां परियोजना स्थान स्थित है, 1241 है, जो एक छोटी संख्या है। चित्र ई-3 में पांच जनसांख्यिकीय वर्गों को दर्शाया गया है, जो दर्शाता है कि ढांडापुर, परसागुडी और सिद्धमा के गांवों में एक बड़ी आबादी है। रेवतपुर, बडौली, काकना, आरा और सखोली की आबादी मामूली है। अधिकांश आबादी बतीदंड, खुमरी, चंगोरी, बिट्टी खुर्द, जमुनिया और अरमा कलां के मध्यवर्ती गांवों में रहती है। अध्ययन क्षेत्र की शेष बस्तियों में मध्यम से निम्न जनसंख्या घनत्व है।





चित्र E-4: अध्ययन क्षेत्र का जनसंख्या सघनता मानचित्र अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति जनसंख्या

#### 4.0 प्रत्याशित पर्यावरण प्रभाव और पर्यावरण प्रबंधन योजना

##### भूमि/मृदा पर्यावरण प्रभाव न्यूनीकरण

उपयुक्त, स्थल-विशिष्ट शमन उपायों को अपनाने से भूमि और मिट्टी पर खनन के प्रभाव की मात्रा को कम किया जा सकता है। भूमि और मिट्टी से संबंधित कुछ शमन उपाय इस प्रकार हैं:

- खनन गतिविधि से पहले ऊपरी मिट्टी को हटाकर पट्टा क्षेत्र में संग्रहित किया जाएगा और इसका उपयोग वृक्षारोपण के लिए किया जाएगा।
- पट्टा क्षेत्र से उत्खनित चूना पत्थर पूरी तरह से बिक्री योग्य होगा जिसके परिणामस्वरूप पट्टा क्षेत्र में कोई डंप नहीं होगा।
- संकल्पनात्मक अवधि के अंत में खुदाई की गई खदान को जलाशय में परिवर्तित कर स्थानीय उपयोग जैसे सिंचाई और मछली पालन के लिए पानी की आपूर्ति की जाएगी।

- चूना पत्थर की खदानों से मैनुअल खनन संचालन के कारण उत्सर्जन बहुत कम है, आसपास की मिट्टी की गुणवत्ता और क्षेत्र के फसल पैटर्न पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- प्रस्तावित परियोजना भूकंपीय क्षेत्र—II (निम्न जोखिम जोखिम क्षेत्र) के अंतर्गत आती है। चूंकि इस परियोजना में निर्माण के लिए भौतिक आधारभूत संरचना नहीं होगी, इसलिए इस परियोजना में भूकंपीयता का कोई प्रभाव परिकल्पित नहीं है। इसके अलावा, यह परियोजना क्षेत्र के भूकंपीय व्यवहार को नहीं बदलेगी/बदलेगी।
- **वायु प्रभाव शमन**
  - भारतीय उत्सर्जन मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए वाहनों और मशीनरी की जाँच सीपीसीबी द्वारा स्थापित सीमा के भीतर एनओएक्स और एसओएक्स के उत्सर्जन को बनाए रखने के लिए वायु प्रदूषकों के उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए परिवहन वाहनों और मशीनरी का उचित और समय पर रखरखाव और नियमित रूप से सर्विसिंग की जाती है।
  - धूल को दबाने के उद्देश्य से 2 केएलडी पानी की आवश्यकता है जिसके लिए 1 नं। 5000 लीटर क्षमता के पानी के टैंकर किराए पर लिए जाएंगे और क्लस्टर के भीतर प्रत्येक लीज के हॉल रोड, डंपिंग साइट, लोडिंग और अनलोडिंग साइट में दिन में दो बार पानी के छिड़काव के लिए इस्तेमाल किया जाएगा और इसकी क्लस्टर प्रबंधन द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जाएगी।
  - डंपिंग क्षेत्रों में नियमित रूप से पानी का छिड़काव।
  - सभी खान कामगारों को डस्ट मास्क प्रदान किए जाते हैं।
  - पेड़ कुशल जैविक फिल्टर के रूप में कार्य कर सकते हैं। चूंकि यह एक छोटा पट्टा है, इसलिए वृक्षारोपण के लिए उपलब्ध क्षेत्र बहुत कम है। तथापि, पट्टा सीमा के भीतर धूल प्रदूषण को रोकने के लिए खनन क्षेत्र के लिए एक सुनियोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रस्तावित किया गया है। क्लस्टर सीमा के साथ-साथ क्लस्टर को जोड़ने वाली सड़क के दोनों ओर निरंतर वृक्षारोपण का प्रस्ताव है।
  - परियोजना खनन पट्टा क्षेत्र में और उसके आसपास पानी के छिड़काव से धूल का दमन
  - निकास उत्सर्जन से बचने के लिए वैध पीयूसी वाले वाहनों का उपयोग खनिजों के परिवहन के लिए किया जाएगा।
  - स्थानीय प्रजातियों को लेकर हरित पट्टी विकास योजना तैयार की जाती है। परिधि पर ग्रीनबेल्ट धूल के स्तर को कम करेगा
  - इस ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 6 में विस्तृत निगरानी योजना के अनुसार वायु गुणवत्ता की नियमित निगरानी को संचालन चरण के दौरान अपनाया जाएगा, ताकि यह

सुनिश्चित किया जा सके कि वायु गुणवत्ता सीपीसीबी द्वारा निर्धारित वांछित सीमा के भीतर है।

### शोर प्रभाव शमन

- रात्रि के समय कोई भी ध्वनि प्रदूषण कार्य नहीं किया जाएगा
- कामगारों के लिए पीपीई का प्रावधान
- वाहनों और जनरेटर सेटों को नियमित रूप से सेवित किया जाना चाहिए और उनसे किसी भी अवांछित शोर या कंपन से बचने के लिए ठीक से रखरखाव किया जाना चाहिए
- हरित पट्टी और बगीचे के पेड़ शोर, यातायात संबंधी प्रदूषण और गर्मी द्वीप प्रभाव को कम करते हैं
- संचालन चरण के दौरान शोर को कम करने के लिए उपकरणों के उचित स्नेहन, मफलिंग और आधुनिकीकरण का उपयोग किया जाएगा
- इस ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 6 में विस्तृत निगरानी योजना के अनुसार ध्वनि स्तरों की नियमित निगरानी, संचालन चरण के दौरान अपनाई जाएगी, यह सुनिश्चित करने के लिए कि शोर का स्तर सीपीसीबी द्वारा निर्धारित वांछित सीमा के भीतर है।

### जल प्रभाव शमन

- मजदूरों के लिए अस्थायी शौचालय का प्रावधान
- घरेलू अपशिष्ट जल को सेप्टिक टैंक में उपचारित किया जाएगा और उसके बाद प्रस्तावित क्लस्टर परियोजना के बाहर एक सुरक्षित दूरी के साथ सोक पिट बनाया जाएगा और किसी भी अपशिष्ट जल को जलाशय में नहीं जाने दिया जाएगा।
- सभी स्टैकिंग और लोडिंग क्षेत्रों में उचित माला नालियां उपलब्ध कराई जानी चाहिए
- ठोस पदार्थों को बहने से रोकने के लिए चेक डैम की व्यवस्था की जानी चाहिए।
- ताजा खुदाई और डंप किए गए क्षेत्रों के आसपास माला नालियों का निर्माण ताकि ढीली सामग्री के साथ पानी के प्रवाह को रोका जा सके।
- खदान के पानी को विशेष रूप से बनाए गए कैच पिट से गुजारा जाना चाहिए ताकि पानी के साथ किसी भी तरह की ढीली सामग्री को रोका जा सके।

- लीजहोल्ड के भीतर ढीले मलबे वाले किसी भी क्षेत्र को लगाया जाना चाहिए।
- खनन गतिविधि के दौरान भूजल स्तर को नहीं काटा जाएगा।

## पारिस्थितिकी और जैव विविधता प्रभाव शमन

### फलोरा

- पट्टा सीमा के चारों ओर हरित पट्टी विकसित की जाएगी, हाउल रोड और अशांत क्षेत्र, पुनः प्राप्त क्षेत्र, डंप साइट, कार्यशाला और खान कार्यालय पर वृक्षारोपण किया जाएगा।
- प्रस्तावित हरित पट्टी का कुल क्षेत्रफल खनन पट्टे और आसपास के क्षेत्र का 20 प्रतिशत होगा।
- वन विभाग के परामर्श से स्थानीय प्रजातियों को लगाया जाएगा..

### पशुवर्ग

- परियोजना में शामिल सभी कामगारों और ड्राइवरों को किसी भी धब्बेदार जानवर को नुकसान से बचाने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। रात में कोई भी खनन कार्य नहीं किया जाएगा।
- रात के समय खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी जो वन्यजीवों को परेशान करेगा।
- श्रमिकों को वन्य जीवन के महत्व के बारे में जागरूक किया जाएगा और संवेदनशील क्षेत्रों में श्रमिकों और अन्य राहगीरों को सावधान करने के लिए संकेत प्रदर्शित किए जाएंगे।
- पहुंच मार्ग तटवर्ती क्षेत्रों में अतिक्रमण नहीं करेंगे और यदि खनन गतिविधि के लिए साफ की गई कोई भी तटीय वनस्पति खान के बंद होने के अंत में बहाल की जाएगी।

### सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण प्रभाव न्यूनीकरण

- निर्माण कार्य के लिए स्थानीय लोगों को रोजगार देना।
- निर्माण श्रमिकों के लिए अस्थायी शौचालय जैसे स्वच्छता के लिए उचित सुविधाएं प्रदान करना।
- निर्माण श्रमिकों को बैरिकेड्स, बाड़ और आवश्यक कार्मिक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।

- सामान्य बीमारी के लिए कामगारों के स्वास्थ्य की जाँच की जाएगी स्थानीय कानूनों और विनियमों के अनुसार पहली बार रोजगार पर और उसके बाद समय-समय पर अंतराल पर।

## 5.0 विकल्पों का विश्लेषण

प्रस्तावित बघिमा चूना पत्थर खदान, जिसमें पट्टों की चूना पत्थर खदान शामिल है, का स्वामित्व आठ पट्टेदारों के पास है और पट्टा अनुदान क्षेत्र के भीतर संचालित किया जाएगा।

इसलिए किसी वैकल्पिक साइट का मूल्यांकन नहीं किया गया है। खनन तकनीक बिना किसी बदलाव के सिंगल शिफ्ट मैनुअल माइनिंग में अर्ध-मशीनीकृत ओपन कास्ट विधि है।

यह परियोजना संबंधित परियोजना प्रस्तावकों को कार्यालय भूविज्ञान एवं खनिकर्म कार्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा स्वीकृत खनिजयुक्त क्षेत्र में स्वीकृत की जा रही है। यह परियोजना बस्ती से बहुत दूर है और अधिकतम अनुत्पादक भूमि पर है इसलिए यह खनन गतिविधि के लिए सबसे उपयुक्त है। खनिज की वसूली के लिए यहां इस्तेमाल की जाने वाली प्रक्रिया पारंपरिक विधि है और श्रम गहन के रूप में, इसे सर्वोत्तम अभ्यास के रूप में सिद्ध स्थल के लिए अपनाया जाता

## 6.0 पर्यावरण निगरानी कार्यक्रम

पश्च अवधि में पर्यावरणीय स्वास्थ्य का आकलन करने के लिए स्थानों पर पर्यावरण निगरानी की जाएगी। अध्ययन के बाद निगरानी कार्यक्रम महत्वपूर्ण है क्योंकि यह निम्नलिखित पहलुओं पर उपयोगी जानकारी प्रदान करता है।

- यह इस अध्ययन में प्रस्तुत पर्यावरणीय प्रभावों पर भविष्यवाणियों को सत्यापित करने में मदद करता है।
- यह किसी भी खतरनाक पर्यावरणीय परिस्थितियों के विकास की चेतावनियों को इंगित करने में मदद करता है, और इस प्रकार, अग्रिम रूप से उचित नियंत्रण उपायों को अपनाने के अवसर प्रदान करता है।

निर्माण और संचालन चरण के दौरान विस्तृत ईएमपी योजना ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट के अध्याय 6 में दी गई है।

## 7.0 जोखिम आकलन

प्रस्तावित चूना पत्थर खनन परियोजना के संचालन चरण के दौरान जोखिम और इसके जोखिम का आकलन निम्न, मध्यम और उच्च है। परियोजना के प्रस्तावकों को दोनों परियोजना स्थलों में होने वाले संभावित जोखिम के प्रभाव या परिणामों को रोकने के लिए सभी शमन उपायों को लागू करने का प्रस्ताव है। शमन उपायों को लागू करने के बाद प्रभाव का स्तर पहचाने गए सभी खतरों में निम्न/मध्यम होगा।

## 8.0 आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना

आपदा के प्रभाव को तैयारी, शमन और घटना के बाद पुनर्वास कार्य के प्रयासों के माध्यम से काफी कम किया जा सकता है। प्रस्तावित परियोजना में खतरे की पहचान के आधार पर एक आपातकालीन योजना तैयार की गई है और उसी योजना को परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी द्वारा जिला अधिकारियों के समन्वय से नुकसान को कम करने के लिए लागू किया जाएगा। जोखिम मूल्यांकन और आपदा प्रबंधन योजना का विवरण ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 7 में दिया गया है।

## 9.0 पूंजी निवेश और परियोजना अनुसूची

प्रस्तावित चूना पत्थर खनन परियोजना की अनुमानित लागत 71.12 लाख रुपये है।

वैधानिक मंजूरी मिलने के बाद खदान का संचालन शुरू हो जाएगा।

## 10.0 परियोजना लाभ

खनन देश के बुनियादी ढांचे के विकास की रीढ़ है। प्रस्तावित परियोजना के निम्नलिखित लाभ हैं जो नीचे दिए गए हैं:

- स्थानीय लोगों के लिए रोजगार
- उत्पाद शुल्क, जीएसटी, कर, लेवी आदि के रूप में राज्य सरकार के लिए राजस्व।
- लोगों के लिए व्यावसायिक अवसर उत्पन्न करें।
- आवश्यकता आधारित धन का उपयोग गांवों में लोगों के कल्याण के लिए किया जाएगा।
- ईएमपी फंड से पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार होगा।

चूना पत्थर खनन के संचालन से गांवों में लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने में मदद मिलेगी, इसके लिए आवश्यकता आधारित गतिविधि के लिए आवंटित अलग से कोष आवंटित किया जाएगा।

### 11.0 आवश्यकता आधारित गतिविधि

प्रस्तावित खनन परियोजना समाज के प्रति दायित्वों से अवगत है और सामाजिक दायित्वों को पूरा करने के लिए इकाई जहां तक संभव हो, प्रस्तावित परियोजना के लिए आस-पास के गांवों से अर्ध-कुशल और अकुशल श्रमिकों को रोजगार देगी। इकाई निर्माण चरण के साथ-साथ संचालन चरण के दौरान स्थानीय ठेकेदारों को नियुक्त करके आसपास के गांवों में अधिकतम अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा करने का भी प्रयास करेगी। परियोजना प्रस्तावक ईएमपी के एक भाग के रूप में सामाजिक विकास के हिस्से के रूप में यथोचित योगदान देंगे और आसपास के गांवों में विभिन्न गतिविधियों को अंजाम देंगे।

परियोजना की कुल अनुमानित लागत 71.12 लाख है। 1.49 लाख कॉर्पोरेट पर्यावरण जिम्मेदारी और सामाजिक विकास गतिविधियों के तहत स्कूल के विकास के कारणों के लिए आवश्यकता आधारित गतिविधि के लिए आवंटित किया जाएगा।

### 12.0 पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी)

विस्तृत पर्यावरण प्रबंधन योजना खनन गतिविधियों और गतिविधियों द्वारा भूमि/मिट्टी, वायु, शोर, पानी पर पड़ने वाले प्रभावों के आधार पर तैयार की गई है। ई.एम.पी. और पर्यावरण सुरक्षा उपायों की लागत का विवरण ईआईए रिपोर्ट के अध्याय 10 में दिया गया है।

### 13.0 निष्कर्ष

जैसा कि चर्चा की गई है, यह कहना सुरक्षित है कि प्रस्तावित पट्टा क्षेत्र से लघु खनिज के संग्रह से क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि खनिज है और उत्पन्न अपशिष्ट गैर विषैले है और आसपास के क्षेत्र को नुकसान नहीं पहुंचाता है। वातावरण।

खनन प्रचालन के दौरान उत्पन्न होने वाले भगोड़े उत्सर्जन को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त उपाय किए जाएंगे। सांविधिक सीमा में हरित पट्टी विकास, पहुंच मार्ग, सरकार। इमारतों, स्कूलों ने भी स्थानीय सरकार की मदद से प्रस्तावित किया। विभाग और स्थानीय लोगों को पर्यावरण की बेहतरी के लिए क्षेत्र में सामाजिक वानिकी के रूप में।